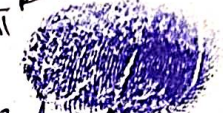






फर्द अहकाम

नाम न्यायालय:- उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट, बस्सी

बनाम शैकर

संख्या 115/22

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
<p>8/25</p>	<p>पत्रावली केर है। वादिपा मपे अधिवक्ता उपस्थित होकर एम. जे. जे मपे शपथ पत्र काबल वाउ पत्र किडो सिपे जाने का पेश कर विवेकन विजा है। उपरोक्त उतवली प्रकार में वादिपा व प्रतिवादी शैकर के मध्य जाव समाप्त के मोत विरल लोग के समझते कुझो से आपस में राजीनामा हो गया है जिसके अनुसार वादिपा मीना जाति से होने से वागुनन मीना जाति पर हिन्दु उतराधिकार अधि. विधन 1956 की धारा 2-2 की मंशा के अनुसार लड़कियों के पिता एवं पितृव सम्पत्ति में कोई हक अधिकार नहीं मिलते है वादिपा के कोई हक अधिकार नाउ प्राप्त भूमि में नहीं होता है। वादिपा व अंगीकार करते हुए वादिपा अपने वाउ पत्र को मलगत राजीनामे की शैशनी में अपने समूह हक अधिकार समाप्त करते हुए अपने वाउ पत्र को किडो कर खातिज करवा रही है एवं मविष्य में वादिपा अपना उसके वादिम उतराधिकारी आदि उक्त</p>	<p>RTI गोदी   इ. व.  शैकर मीना  सुरेश कुमार मीना </p>

क्रम संख्या

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही

आज्ञा विस्तृत रूप से

राजीनामों की रेशनी में वाइजुक्त
 सूची को लेकर वि. प्र. प्र. कार के
 कोड प्रोग्राम नहीं करेंगे। अतः प्र. प्र.
 विभाग विचार मात्र संलग्न राजीनामों
 को तत्दीन फरमाते हुए राजीनामों
 की रेशनी में वाइ प्र. को वि. प्र.
 कोड के आदेश प्रकाश करते हुए
 खातिर विचार मात्र के आदेश प्रकाश
 करें।

वाइ प्र. को प्रथम पत्र पर
 पुनः जाया। वाइ प्र. को प्र. प्र. के
 संलग्न राजीनामों पर वाइ प्र. व
 प्रतिक्रिया है। को इस्ताद्वार कटोरे
 को वाइ प्र. की पहिचान कमील
 की समझने की तथा प्रतिक्रिया
 है। को पहिचान कमील की
 किनेट शमी ने की है राजीनामों
 की इकाई वाइ प्र. तथा प्रतिक्रिया
 है। को पुनः जाया प्र. प्र. की दोहरा की
 वाइ प्र. पर राजीनामों तत्दीन
 विचार जाया। प्र. प्र. को व प्र. प्र.
 पर उपस्थित ताकिनें वाइ प्र.
 को प्र. प्र. एवं कमील वाइ प्र. को
 प्रथम पत्र वाइ प्र. को एवं राजीनामों
 पर पुनः दे प्रथम वाइ प्र. को
 वाइ प्र. को राजीनामों की रेशनी
 में प्रथम पत्र वाइ प्र. को वि. प्र.
 विचार मात्र वाइ प्र. को वि. प्र. को
 को अ. प्र. प्र. की जाती है। प्र. प्र.




फर्द अहकाम

नाम न्यायालय:- उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट, बस्सी

श्री देवी बनाम श्रीकर

115/22

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	<p>नाउ विज्ञो विज्ञा होजे से दावा वही खोजि विज्ञा जाता है राजीनामा निर्गम वर अतित्र अंग रहेगा। दिवसी फर्द जाती हो। फत्रावली फेसल शुमार होकर नमकर से चर्र होकर काउ तकमील दालिल हफत हो।</p> <p style="text-align: right;">  उप खण्ड अधिकारी बस्सी (जिला जयपुर) </p>	